प्रार्थना से परमेश्वर के करीब आइए (भाग 1)

बाइबल असल में क्या सिखाती है? के अध्याय 17 पर आधारित। यह किताब jw.org पर उपलब्ध है।

मकसद: जाँचिए कि आप क्या मानते हैं और ऐसा क्यों मानते हैं। देखिए कि बाइबल क्या सिखाती है और आप जो मानते हैं वह दूसरों को कैसे समझा सकते हैं।

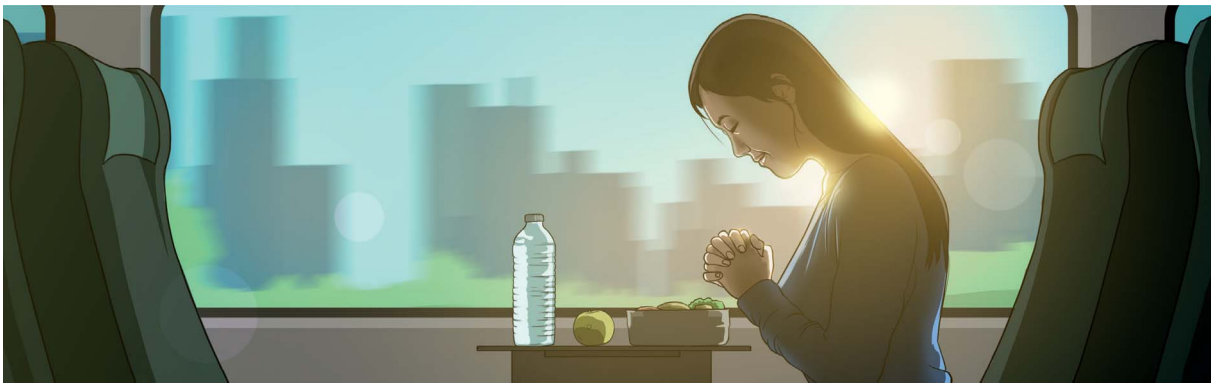

क्या परमेश्वर सभी प्रार्थनाएँ सुनता है?

1 जाँचिए कि आप क्या मानते हैं

कुछ लोग क्यों शायद 'हाँ' कहेंगे?

कुछ लोग क्यों शायद 'नहीं' कहेंगे?

आप क्या मानते हैं?

आप ऐसा क्यों मानते हैं?

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

2 जानिए कि पवित्र शास्त्र क्या सिखाता है

परमेश्वर ऐसे लोगों की प्रार्थनाएँ सुनता है जो दिल से उसकी खोज करते हैं, फिर चाहे वे किसी भी विषय पर उससे बात करें।
(*बाइबल सिखाती है* किताब के अध्याय 17 के पैराग्राफ 1-4 देखें।)

फिलिप्पियों 4:6, 7 पढ़िए।
ज़रूरत की घड़ी में प्रार्थना करने के अलावा, हमें क्यों नियमित तौर पर परमेश्वर का धन्यवाद भी करना चाहिए?

याकूब 4:8 पढ़िए।
प्रार्थना से कैसे यहोवा के साथ हमारी दोस्ती और भी गहरी होती है?

हमें ऐसे दोस्त पसंद नहीं होते जो सिर्फ ज़रूरत पड़ने पर हमसे बात करते हों बल्कि ऐसे दोस्त पसंद होते हैं जो हर मौके पर हमसे बात करते हों। उसी तरह, यहोवा खुश होता है जब हम नियमित तौर पर उससे प्रार्थना करते हैं और अलग-अलग विषयों पर उससे बात करते हैं

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

परमेश्वर ऐसे लोगों की प्रार्थनाएँ सुनता है जो अपनी गुज़ारिश के मुताबिक काम करते हैं।

(*बाइबल सिखाती है* किताब के अध्याय 17 के पैराग्राफ 5-8 देखें।)

मरकुस 11:24 और याकूब 2:26 पढ़िए।

अगर हम चाहते हैं कि परमेश्वर हमारी प्रार्थनाएँ सुने तो यह क्यों ज़रूरी है कि हम उस पर विश्वास करें? हम कैसे दिखा सकते हैं कि हममें विश्वास है?

मत्ती 6:11 और 2 थिस्सलुनीकियों 3:10 पढ़िए।

हम अपनी प्रार्थना के मुताबिक कैसे काम कर सकते हैं, इसकी एक मिसाल दीजिए।

प्रार्थना एक तोहफा है, ***आप*** इसकी कदर क्यों करते हैं?

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania

3 समझाइए कि आप क्या मानते हैं

अगर कोई कहे . . .

परमेश्वर सबकी प्रार्थनाएँ सुनता है।

आप कह सकते हैं . . .

ज़्यादातर लोगों का यही मानना है। मगर मैं कुछ और मानता हूँ क्योंकि बाइबल सिखाती है . . .

_____

_____

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

_____

वह जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप इस आयत से अपनी बात कैसे समझा सकते हैं?

_____

अगर कोई कहे . . .

प्रार्थना से कुछ नहीं बस मन का बोझ हलका होता है।

आप कह सकते हैं . . .

कई लोग शायद यह बात मानें, मगर मैं यह नहीं मानता क्योंकि . . .

_____

_____

आप उसे कौन-सी आयत दिखा सकते हैं?

_____

वह जो मानता है उसे ध्यान में रखते हुए आप इस आयत से अपनी बात कैसे समझा सकते हैं?

_____

www.jw.org © 2017 Watch Tower Bible and Tract Society of Pennsylvania